भारतीय संस्कृति और मूल्यों में कला की भूमिका —

किसी राष्ट्र के विकास में वहाँ की संस्कृति और मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी राष्ट्र की संस्कृति वहाँ की प्रवृत्तियों, मूल्यों आचार - विचार विश्वासों का प्रतिनिधित्व करती है। सभी आर्थिक, सामाजिक व अन्य गतिविधियों का संचालन और आयोजन वहाँ की संस्कृति और मूल्यों के अनुरूप होता है। भारत बहुसांस्कृतिक देश है। भारत दुनिया के उन देशों में से एक है। जहाँ मानवता का वर्णनातीत सांस्कृतिक विरासत का सबसे बड़ा संग्रह है। जिसमें गीत, संगीत, नृत्य, नाटक, लोक परम्पराएँ, प्रदर्शनकारी कलाएँ अनुष्ठान और कर्मकांड, चित्रकला और लेखन सम्मिलित है।

अनेकता में एकता महज शब्द नहीं, यह भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त स्तम्भ है। मौर्य काल से लेकर चोल और मुगल काल से ब्रिटिश साम्राज्य तक भारत अपनी संस्कृति के लिए सुविख्यात रहा, जिसका आधार ही कला है। यहाँ के धार्मिक अनुष्ठान, त्योहार, परम्पराओं के साथ कला, शिल्प, नृत्य, गीत-संगीत संयुक्त होते हैं।

भारतीयों की जीवन शैली में कला एक बहुमूल्य विरासत है। कला की कहानी उतनी ही पुरानी जितनी सभ्यता और संस्कृति की कहानी।